युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप

अप्रैल, 2014 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

अप्रैल मास का चार्ट:

लक्ष्य – प्रभु प्यार का परवाना बनना।

अव्यक्त बापदादा – जितना बच्चों का प्यार बापदादा से है उससे ज्यादा हर बच्चे के लिए बाप के दिल में प्यार है। यह दिल का प्यार सभी बच्चों को यथा शक्ति चला रहा है। हर एक के दिल में बाप की यादप्यार समाई हुई है, यह अलौकिक प्यार हर एक को चला रहा है। यह अलौकिक प्यार सारे कल्प में अब संगमयुग में ही अनुभव करते हो।

अनेक जन्म हमने आत्माओं का प्यार पाया और आत्माओं को प्यार किया जिसके फल स्वरूप हम कंगाल, दु:खी हो गये। हमारे दिल के हजारों टुकड़े हो गये। अभी ही हमें सच्चा दिलवर मिला है जो हमारे दिल के बंटे हुए टुकड़ों को एकत्रित कर हमें सच्चे प्यार का अनुभव करा रहा है।

हे आत्माओं, आओ हम प्रभु प्यार का प्रैक्टिकल में अनुभव करें और विश्व को प्रत्यक्ष प्रमाण दें।

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण की धारणा
पहला	प्रभु प्यार का परवाना
दूसरा	महावीर
तीसरा	तीव्र पुरुषार्थी
चौथा	मायाजीत

मास के 4 सप्ताह में दिये गये टाईटल का चिन्तन करें और उनकी विशेषताएं लिखे। रोज रात को अनुभव लिखना है।

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1.गुड मॉर्निंग - 3.30 2.अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में 3.व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4.ट्रैफिक कन्ट्रोल- 5 5.मुरली क्लास - क्लास में सुनी 6.अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7.स्वमान की स्मृति -बहुत अच्छी 8.नुमाशाम का योग- हाँ जी 9. प्रभु प्यार का परवाना- 80%
10.गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. तुम्हीं संग बैठूं, तुम्हीं संग बातें करूं, तुम्हीं संग खाऊ, तुम्हीं संग खेलू..
2. मेरा तो एक बाबा दूसरा न कोई।

❖ अभ्यास: अमृतवेला पावरफुल करने के लिए हर रोज़ अमृतवेले की किताब में से एक पेज पढ़ेंगे और फिर अमृतवेला करेंगे। अमृतवेले अपने पुरुषार्थ की गति को चेक करना है। (दो मास के बाद अमृतवेले की किताब में से अनुभवयुक्त परीक्षा ली जायेगी।)

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंटस लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह ज़रूर लिखें।

❖ स्वमान:

1. मैं आत्मा प्रभु प्यार का परवाना हूँ।	16. मैं आत्मा सेकण्ड में फुलस्टॉप लगानेवाली हूँ।
2. मैं आत्मा परमात्म स्नेही हूँ।	17. मैं आत्मा निरन्तर याद में समाई हुई हूँ।
3. मैं आत्मा परमात्म दिल तख्तनशीन हूँ।	18. मैं आत्मा अष्ट रतनों में आनेवाली हूँ।
4. मैं आत्मा प्रेम की मूर्ति हूँ।	19. मैं आत्मा वायुमण्डल को परिवर्तन करनेवाली हूँ।
5. मैं आत्मा प्रेम का अवतार हूँ।	20. मैं आत्मा साक्षी दृष्टा हूँ।
6. मैं आत्मा परमात्म गले का हार हूँ।	21. मैं आत्मा सोचना और करना समान करनेवाली हूँ।
7. मैं आत्मा प्रभु प्यार का पात्र हूँ।	22 मैं आत्मा मायाजीत हूँ।
8. मैं आत्मा महावीर हूँ।	23. मैं आत्मा विजयी हूँ।
9. मैं आत्मा विघ्न विनाशक हूँ।	24. मैं आत्मा मा.सर्वशक्तिवान हूँ।
10.मैं आत्मा निर्भय हूँ।	25. मैं आत्मा निर्विकारी हूँ।
11. मैं आत्मा बहादूर हूँ।	26. मैं आत्मा सम्पूर्ण पवित्र हूँ।
12. मैं आत्मा निर्विघ्न हूँ।	27. मैं आत्मा कमल आसनधारी हूँ।
13. मैं आत्मा हिम्मतवान हूँ।	28. मैं आत्मा स्वराज्य अधिकारी हूँ।
14. मैं आत्मा उमंग-उत्साही हूँ।	29. मैं आत्मा निरहंकारी हूँ।
15. मैं आत्मा तीव्र पुरुषार्थी हूँ।	30. मैं आत्मा परम पवित्र हूँ।

हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम:_____ सेन्टर का नाम:_____ DiDar No:_____

गुड मॉर्निंग-90%	**अमृतवेला-75%**
व्यायाम/पैदल-80%	**ट्रैफिक कन्ट्रोल-90%**
मुरली क्लास-90%	**नुमाशाम का योग-80%**
स्वमान की स्मृति-75%	**अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%**
प्रभू प्यार का परवाना -80%	**गुड नाइट-95%**

चार्ट: OK या ~~OK~~ **टीचर के हस्ताक्षर**

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com
Website: www.bkyouth.org